हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

11 बढ़ती ठंड के साथ बढ़ा रजाई भराई का काम, आर्डर पूरा करने के लिए...

12 नसबंदी के लिए कुत्तों को उठाकर दूर ले जाने पर जीव...

खोड़िया नृत्य की परंपरा

हरियाणा में विवाह के समय खोरिया (खोड़िया) एक प्रसिद्ध और मनोरंजक परंपरा है, जो दूल्हे की बारात जाने के बाद घर पर महिलाओं द्वारा निभाई जाती है; इसमें वे मंगल गीत गाती हैं, हंसी-मजाक करती हैं और विवाह के दृश्यों का नाटकीय अभिनय करती हैं। इसमें दूल्हा-दुल्हन और अन्य किरदारों की नकल की जाती है, जिससे उनका मनोरंजन होता है और घर की सुरक्षा भी होती है, साथ ही नवविवाहित जोड़े के सकुशल लौटने की कामना की जाती है।

हरियाणवी लोकगीतों में विवाह संस्कार

हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है- "बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति में लोकगीत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहाँ लोकगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के दिल की धड़कन अनुभव होते हैं। हरियाणवी लोकगीतों की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है, जिसमें विविधता का असीम सागर लहराता है। यहाँ ऋतुओं के बदलने पर 'सावण के गीत' और 'तीज के मल्हार' गाए जाते हैं, तो खेतों में काम करते समय 'जकड़ी' और 'रागिनियों' के स्वर गूंजते हैं। वीर रस से भरे 'आल्हा' जहाँ भुजाओं में बल भरते हैं, वहीं भक्ति रस से सराबोर 'भजन' आत्मिक शांति देते हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में अद्भुत विविधता प्राप्त होती है और जीवन के सभी संस्कारों पर गीत गाए जाते हैं, फिर चाहे जन्म हो अथवा मृत्यु है। संस्कारों में अत्यधिक महत्वपूर्ण विवाह संस्कार पर तो इनकी परंपरा बहुत प्रभावित करती है। इस विशाल परंपरा में 'विवाह के गीत' संस्कारों की नींव को मज़बूत करते हैं।

विवाह के संस्कार की शुरुआत सगाई से होती है। जैसे ही रिश्ता तय होता है, घर के आँगन में खुशी की लहर दिखाई देती है। विवाह की रस्में बान और तेल से शुरू होती हैं। हरियाणवी परंपरा में बान 5, 7 या 9 दिन पहले बैठाए जाते हैं। यानी दूल्हा या दुल्हन को शादी वाले दिन तक रोज़ाना हल्दी-तेल (बटना) लगाया जाता है और नहलाया जाता है। इसे ही 'बान फिरना' कहते हैं। इस समय महिलाएं 'तेलन' को संबोधित करते हुए गाती हैं:

"तारो ए तेलन तेल, म्हारे बन्ने कै चढ़ेगा तेल,
हरया-हरया गोबर मंगाओ, आंगण लिपाओ ए...
म्हारा बन्ना बैठैगा ए, बिछाओ रंगीले खेल,
सोने की कटोरी में, तारो ए तेलन तेल।"

इसके बाद जब दूल्हे या दुल्हन को पटड़े (चौकी) पर नहलाया जाता है, तो दादी और ताई 'समंदर के पानी' की उपमा देते हुए बड़े लाड़ से गाती हैं:

"तात्ता पाणी ए समंदरां का, पोता/बेटा न्हाइयो ए म्हारे दादा/ताऊ/बाबू का....

अंत में तेल चढ़ाते समय घर की बुज़ुर्ग महिलाएँ शगुन मनाती हैं और नज़र उतारती हैं:

"तेल चढ़ाओ ए बन्नो री दादी, लाड लड़ाओ,
तेल चढ़ाओ ए बन्नो री ताई, शगुन मनाओ
म्हारी बन्नो का रूप सवाया, चाँद सा उजियार,
नज़र न लागे किसी की, राखो जी भरतार"

बान के दिन से ही रात के समय महिला संगीत शुरू हो जाता है, जिसमें बन्ना-बन्नी के सौंदर्य, चतुराई और भविष्य की कल्पनाएँ गीतों में ढलती हैं :

"बन्ना तो हांडे अपने बाबा जी की गलियां
दादी तो फिरै रहसी रहसी रे महल में
सेर मोती बारूं जी बन्ने पै
मोती भी वारूं मैं तो हीरे भी वारूं सेर मोती..."

एक और गीत में बन्नी अपने बन्ने को कहती है:

बन्ना जी मैं तो राज घर सै आई
बन्ना जी तेरे बाबा की ऊंची हवेली
बन्ना जी तेरे बाबल की ऊंची हवेली
बन्ना जी मैं तो चढ़ती चढ़ती आई

इसके बाद विवाह के दिन भात से पहले कुम्हार के घर जाकर 'चाक पूजने' की रस्म बहुत महत्वपूर्ण है। यह रस्म सृजन के प्रतीक 'चाक' (पहिए) के प्रति सम्मान व्यक्त करती है ताकि नए दांपत्य जीवन का पहिया भी निर्बाध चलता रहे। महिलाएं गाती हुई जाती हैं:

"चाक पूजन चाल पड़ी, सुहागन नार,
साथ में सखियाँ गावें, मंगल चार
कुम्हारन ए, दे दे मटकिया का साथ,
तेरे चाक पे बनरी की, सुधरेगी बात"

चाक पूजन के बाद विवाह की यात्रा का सबसे भावुक रिवाज होता है 'भात'। बहन विवाह से पहले अपने भाई को न्योता देती है और गीतों के माध्यम से भात के लिए बुलावा देते हुए कहती है:

'बीरा मेरा मान बढ़ाइयो रे,
मैं न्यौतण आई भात
बीरा तीन मंजली हेली ,
मैं ल्याई रे भात की भेली"

इस परंपरा में वह पल बहुत भावुक करने वाला होता है जब विवाह के दिन भाई भात लेकर आता है और बहन आस-पड़ोस की सभी स्त्रियों संग भात लेते हुए गीतों से भाई का स्वागत करती हुई गाती है:

'मत बरसो इन्द्र राजा जी मेरी मां का जाया भीजै
मेरी मां का जाया भीजै, मेरा सगा भतीजा भीजै
मत बरसो इन्द्र राजा जी, मेरी मां का जाया भीजै''

भात लेने के बाद 'मांढा' बंधन की रस्म होती है और गाया जाता है:

किन्नै यो मांढा पिछवाडिआं
किन्नै यो पूर्या सै चोंक
मांढलड़ा सिरी राम का

इसके बाद जब दूल्हा घोड़ी पर चढ़ता है। बैंड बाजे के साथ बहनें और गाँव की महिलाएँ गाती हैं:

मुबारक सादी हो बनड़े ये घोड़ी नाचती आई
तेरे बाबा हजारी नै बड़ी दूरों से मंगवाई
बनड़े की घोड़ी बिदकै मेरा कलेजा धड़कै
सीस बने के सेहरा, लड़ियां से लाल लटकै
गले बने के तोड़ा, घूण्डी से लाल लटकै
हाथ बने के घड़ियां, कांगणे सै लाल लटकै

फिर दूल्हा बारात लेकर ससुराल पहुंचता है तो स्वागत में 'सीठणे' (मीठी गालियाँ) गाए जाते हैं। यह हरियाणवी लोकगीतों का सबसे रोचक पक्ष है, जहाँ समधियों के रंग-रूप और वेशभूषा पर व्यंग्य किए जाते हैं:

'बाज्या रे नगाड़ा रणजीत का जणू हाक्यम आया
अपणी बेबे न छोड़ के हे म्हारे ब्याहवण आया'
'हमने बुलाए गोरे-गोरे, काले-काले आये रे पसेरे,
हमने बुलाए लंबे-लंबे, ओछे-ओछे आये रे पसेरे '

'फेरे' विवाह के पावन बंधन का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पड़ाव होता है। जब फेरों के लिए पूजन शुरू होता है तो दुल्हन की सखियां गाती हैं :

दादा देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का बर ढूंढियो
लाडो देस जांदा परदेस जांगा, ढूंडिया सै फूल गुलाब का
ताऊ देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का वर ढूंढियो

अग्नि के सात फेरे लेते समय वधू का अधिकार क्षेत्र बदलता है। हरियाणवी लोकगीतों में हर फेरे के साथ बेटी के 'पराई' होने का दर्द अनुभव किया जा सकता है:

पहला फेरा लीजिए दादा की हे पोती
दूजा फेरा लीजिए ताऊ की हे बेटी
तीजा फेरा लीजिए बाबल की हे बेटी
चौथा फेरा लीजिए काके की हे बेटी
पांचमा फेरा लीजिए मामै की हे भाणजी
छठा फेरा लीजिए नाना की हे दोहती
सातवां फेरा लीजिए लाडो होई पराई

फेरों के बाद 'छन्न' सुनने की रस्म भी होती है जिसमें दूल्हे को छन्न सुनाने के लिए कहा जाता है :

छन्न पक्कियां छन्न पक्कियां, छन्न के ऊपर केसर। सासू मेरी पारवती, सोहरा परमेसर।।

छन्न के बाद विदाई का समय बहुत भावुक करने वाला होता है। बेटी का घर से जाना, बचपन की यादें और माता-पिता का विलाप इन गीतों का मुख्य स्वर होता है। कोयल की उपमा देकर गाया जाने वाला यह गीत अत्यंत मार्मिक है:

"कोयल चालि ए बागां न छोड़ कै,
ए मन्नै कूकर राखोगे मेरी माए...
जिन गलियों में बचपन बीता,
वही गली बिसराई ए,
मात-पिता को छोड़ के बन्नी,
हो गई आज पराई ए"

एक और पारंपरिक विदाई गीत जो मन को छू जाता है:

मेरी बन खंड को कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे ताऊ ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चली
मेरी बन खंड की कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे बाबुल ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चाली

दूसरी तरफ बारात के विदा होने के बाद, जब घर सूना हो जाता है, तब 'खोड़िया' का आयोजन होता है। यह स्त्रियों का निजी उत्सव है, जहाँ घूंघट की मर्यादा से परे हटकर वे दूल्हा-दुल्हन बनने का नाटक करती हैं :

"खोड़िया मा खोड़िया, आज म्हारे घर आवे नई बहु,
कोरी-कोरी चांदी का हसला घड़ाया...
आज म्हारे बेटे की सुहाग वाली रात।
दुख भूल कै हँस ले आज, यही है रीति की बात।"

असल में हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है-"बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। हरियाणवी विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो समय के साथ बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

गीत | राजपाल सिंह गुलिया

तेरी खेती हरी-भरी

बुरा न मानै तै भैया कुछ, मैं भी कह द्यूँ खरी -खरी ।
बिना सँभाले सूखण लाग्यी , तेरी खेती हरी-भरी ।।

धन दौलत पा कै नै माणस , देख नसे म्हं चूर हुए ।
काणा कहकै दाम माँगते , ये इतणे मगरूर हुए ।।
जरगी सैं इनकी पुश्तैनी , तलवारें भी धरी - धरी ।।

छोरा रोज रात नै आवै, बाहर तैं ए खा पी कै ।
काल्ह कही तै न्यू बोल्या के ,करणा सै हमनै जी कै ।
बहू रोज याह बिना बात बस, बैठी रह सै डरी -डरी ।

खरा कमावै खोटा खावै , याह होग्यी सै रीत हड़ै ।
बाकलियाँ का ब्यौंत देख कै , गावैं सैं सब गीत हड़ै ।।
किसै न मत छेड़ो भाई , बैठी दुनिया भरी - भरी ।

खरी कहणिया माणस सभ नै , भोत घणे लागैं खोटे ।
साँची कह कै बदनामी के, ये बाँधैं रोज भरोटे ।।
लांछन लाग्याँ पाच्छै बोली, लिकड़ै सै याह मरी-मरी।

ग़ज़ल | रिसाल जांगड़ा

पड़्या मिरे तै काम नहीं सै।
उसने करया सलाम नहीं है।

बिस्तर तो सै सोन्ने का पर,
दिल नै तो आराम नहीं है।

ठूंठ बणी निरधन की जिंदगी,
सिर पै सुख की छाम नहीं है।

उस माणस नै ढू रह्या सूँ,
जिसके सिर इलजाम नहीं है।

इस कलजुग की रामायण म्हं,
रावण तो सै राम नहीं है।

जड़ै छिप्या दिन रैन गुजारी
साधू का घर-गाँम नहीं सै।'

रिसाल' चाँद तै यारी लाकै,
सोया रात तमाम नहीं है।

रागनी | सत्यवीर नाहड़िया

बोल्ली या हरयाणी

चाळा करगी-भास्सा बरगी, बोल्ली या हरयाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

आन अनूठी-तान अनूठी, इस बोल्ली की न्यारी।
बोल निराळे-तोल निराळे, जाणै दुनिया सारी।
कड़कै भारी-पर सै प्यारी, बोल्ली सिद्धी-स्याणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

इस म्हैं पाणा-यो हरयाणा, गीत-रागनी न्यारी।
पाड़ैं चाळे-सांग निराळे, भजन-सबद लयकारी।
छप ल्यी सारी-साखी भारी, कबिता कथा-कहाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

धूम मचावै-झट छा ज्यावै, जित जा खुलकै बोल्ली।
गुँज्जै न्यारी-बोल्ली म्हारी, बोल्लीबुड नै तोल्ली।
लखमी डोल्ली-इस म्हैं झोल्ली,तकत-तोड़ थी गाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, या सै भोत पुराणी।।

मिट ज्या रास्सा-पलटै पास्सा, अंबर गान चढ़ावै।
सभनै आस्सा-बणकै भास्सा, माट्टी-मान बढ़ावै।
दिन वो आवै-मंगळ गावै, 'नाहड़िया' की बाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस ने वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बनाया था

ऐतिहासिक नगर हांसी का प्राचीन रुतबा बहाल

इतिहास | यशपाल गुलिया

हरियाणा सरकार ने हांसी को एक नया जिला बनाकर इस ऐतिहासिक नगर के गौरवमयी रुतबे को पुनर्जीवित कर दिया है। सदियों पुराने इस ऐतिहासिक नगर का प्राचीन नाम आसिका होता था जो शाही सुलेमान मार्ग पर स्थित था। यहां के ऐतिहासिक किले का निर्माण सम्राट पृथ्वीराज द्वारा किया गया था। इसका समय-समय पर शासकों ने भरपूर उपयोग किया था।

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस द्वारा वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बना लिया था। प्राचीन किले में उसने सिक्के ढालने के वास्ते टकसाल भी स्थापित की थी, लेकिन चार वर्षों बाद 1801 में एक लम्बे लड़े गए युद्ध के बाद उसको हांसी से प्रस्थान करना पड़ा। फिर अंग्रेजों ने 1809-10 में हांसी में अपनी नई रिसाला छावनी स्थापित की तथा कुछ वर्षों बाद हांसी क्षेत्र कर्नल स्कीनर को जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। स्कीनर की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने फिर एक बार हांसी के रुतबे को कम कर दिया था, लेकिन वही हांसी का किला 1857 में अंग्रेजों का महत्वपूर्ण मुख्यालय भी बना। इसमें पंजाब के फिरोजपुर से कोर्टलैन्ड अंग्रेज के नेतृत्व में एक नवगवित सेना हांसी में पहुंच गई तथा हरियाणा क्षेत्र के क्रांतिकारियों को दिल्ली जाने से रोकने में सफल भी रही। दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना को कवच प्रदान करने वाली उस सेना को हरियाणा फील्ड फोर्स का नाम दिया गया था जो हांसी के किले में लगभग एक वर्ष तक जमी रही और वहीं से उस सेना ने ओढ़ां, खैरिका व जमालपुर आदि स्थानों पर क्रांतिकारियों से भीषण युद्ध किए थे।

हांसी नगर का ऐतिहासिक बड़सी गेट का दृश्य।

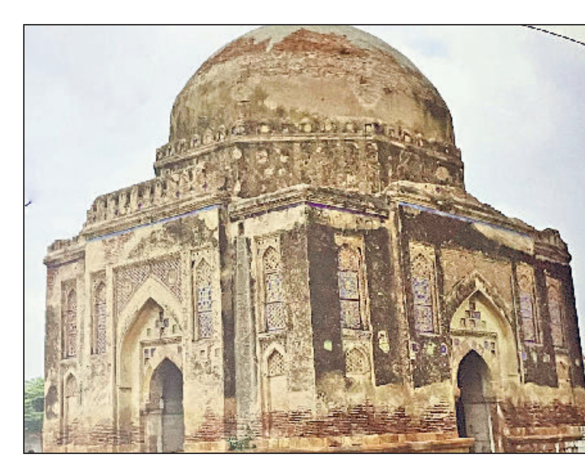

हांसी में स्थित अली तज्जार का मकबरा।

यहां चार कुतुब विराजमान

मुस्लिम समुदाय के विख्यात धार्मिक चार कुतुबों के यहां विराजमान रहने के कारण भी हांसी प्रसिद्ध नगर रहा था। नगर के चारों तरफ खिलजी सुलतान ने वर्ष 1300 के आसपास एक दीवार भी निर्मित करवाई थी जिसमें पांच प्रवेशद्वार थे। उन्हीं में से एक बड़सी गेट पर शिलालेख भी मौजूद है। ऐसे प्राचीन ऐतिहासिक नगर को अब एक जिले का दर्जा देकर मुख्यमन्त्री नायब सैनी ने सराहनीय कार्य किया है। इसी हांसी नगर में अंग्रेजों का ज्यादातर वास्ता रहने के कारण ही हिसार में घोड़ा फार्म स्थापित हुआ था। हांसी नगर में चार कुतुब परिसर के पास अली- तज्जार व लखी बनजारे के विशाल मकबरे स्थित हैं। वहीं पर स्कीनर की दो बेगमों के जुड़वां मकबरे भी बने हुए हैं। इनमें फारसी भाषा में शिलालेख अंकित हैं। यद्यपि ऐतिहासिक किला संरक्षित होने के बावजूद खंडहर बन चुका है, लेकिन जार्ज थॉमस द्वारा निर्मित हौज, बारूद खाना व बाह्य चौकियां आज भी दर्शनीय हैं, जोकि हांसी के प्राचीन इतिहास के साक्षी हैं।

लोकगायन की सशक्त आवाज़ राजबाला बहादुरगढ़

कलाकार | अंकुर शर्मा

हरियाणवी लोकगीतों ने वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट पहचान बनायी है। इसके लिए अनेक कवियों और कलाकारों का महनीय योगदान रहा है। एक समय जब हरियाणवी रागनी के क्षेत्र में पुरुष गायकों का बोलाबाला था और महिलाओं की उपस्थिति को संदेह और वर्जनाओं की दृष्टि से देखा जाता था, राजबाला ने न केवल माइक थामा, बल्कि अपनी बुलंद और आत्मविश्वासी आवाज़ से पुरुष-प्रधान गायकी के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजबाला का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव सरथल में हुआ। ठेठ ग्रामीण परिवेश, सीमित संसाधन और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ी 'बाला' का बचपन खेतों की पगडंडियों, पशुओं की घंटियों और माँ की लोरियों के बीच बीता। औपचारिक शिक्षा भले ही अधिक न हो पाई हो, लेकिन प्रकृति और लोकजीवन ने उन्हें जो शिक्षा दी, वही उनकी असली पाठशाला बनी।

रेडियो पर बजने वाली रागनियां उनके मन में सुरों का पहला बीज बोती थीं। वह काम करते हुए, चारा काटते हुए या चूल्हे के पास बैठी-बैठी उन धुनों को गुनगुनाती रहतीं। पर उस दौर में बेटियों का ऊंचे स्वर में बोलना भी मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था, मंच पर गाना तो दूर की बात थी। फिर भी उनके भीतर कहीं यह विश्वास पल रहा था कि सुरों से जुड़ा यह रिश्ता एक दिन उन्हें उनकी मंज़िल तक पहुंचाएगा। विवाह के बाद 'बाला' बहादुरगढ़ आकर बस गयी। सामान्यतः यह वह मोड़ होता है जहां अधिकांश बेटियों के सपने घरेलू जिम्मेदारियों में दबकर रह जाते हैं, पर उनके लिए यह नया जीवन एक नई कर्मभूमि बना। राजबाला बताती हैं कि पति रणबीर सिंह के सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए उन्होंने अपना नाम 'बाला' से राजबाला कर लिया, वहीं बहादुरगढ़ से उनके नाम के साथ 'बहादुरगढ़' जुड़ा और धीरे-धीरे वही उनकी पहचान बन गया। 2004 के आसपास उन्होंने मंचों पर कदम रखा। उस समय रागनी मंचों पर पुरुष गायकों का ही बोलबाला था। पंडित लख्मीचंद और मेहर सिंह की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले दिग्गज कलाकारों के बीच एक घूंघट में खड़ी महिला का गाना समाज के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। राजबाला स्वयं कहती हैं "शुरुआत में बहुत ताने सुनने पड़े। लोग कहते थे कि बहू होकर मंच पर गाना शोभा नहीं देता लेकिन मेरे पति और परिवार ने मुझ पर विश्वास किया। उसी विश्वास ने मुझे समाज के डर से ऊपर उठना सिखाया।" यह समर्थन उनके संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बना। घर, बच्चे और जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने सुरों की साधना जारी रखी और हर मंच पर खुद को बेहतर साबित करती चली गईं।

वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें बहादुरगढ़ नगर परिषद् के लिए पार्षद मनोनीत किया गया है। प्रसिद्ध फल्गु लोककला महोत्सव में प्रस्तुति को राजबाला अपनी उपलब्धि मानती हैं। देश की सैकड़ों सांस्कृतिक संस्थाएं उन्हें सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद राजबाला की सादगी आज भी वैसी ही है। न दिखावा, न अहंकार- बस अपनी माटी से जुड़ा एक सरल व्यक्तित्व। वह मानती हैं कि रागनी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोकजीवन का आईना है, जिसमें समाज अपनी अच्छाइयों और कमज़ोरियों को देख सकता है। वास्तव में राजबाला बहादुरगढ़ केवल एक लोकगायिका ही नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना की जीवंत प्रतीक हैं, जिनका लोकगायकी का यह सफर बताता है कि सच्ची प्रतिभा संसाधनों की नहीं, समर्पण और संघर्ष की मोहताज होती।

किस्सा गायकी की पहचान

हिसार के सुशीला भवन में भगत सिंह जयंती पर दी गई पहली प्रस्तुति से शुरू हुआ यह सफर देखते ही देखते प्रदेश भर के मंचों तक जा पहुंचा। राजबाला की गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी 'किस्सा परंपरा' है। राजा नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, हरिश्चंद्र और महाभारत जैसे प्रसंगों को जब वह रागनी में ढालती हैं, तो श्रोता केवल सुनते नहीं, उस कथा में जीने लगते हैं। वे बताती हैं कि 'लोकसंगीत की आत्मा शालीनता में बसती है, फूहड़ता में नहीं। उनका प्रयास गायकी में करुणा, वीर रस, भक्ति और प्रेम समाहित करने का रहता है।' लोकगायकी से मिला सम्मान और पहचान राजबाला विभिन्न टीवी चैनल्स और आकाशवाणी के अनेक केन्द्रों से रागनी की प्रस्तुति देने के साथ-साथ देशभर में लगभग 2500 सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं।

पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता

100 मीटर दौड़ में ताशु रही अव्वल

झज्जर। दौड़ प्रतियोगिता में भागीदारी करते हुए स्वयंसेविकाएं। *फोटो : हरिभूमि*

रेडक्रॉस सोसायटी प्रशिक्षक ने स्वयंसेविकाओं को दी प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के छठे दिन स्वयंसेविकाओं को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी गई। इस दौरान खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। नींबू रेस में अनुजा ने प्रथम स्थान हासिल । वहीं 100 मीटर रेस में ताशु अव्वल रही। कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसायटी के प्राथमिक सहायता प्रशिक्षक विनय कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक सहायता उपचार नहीं, बल्कि घायल व्यक्ति को बचाने के लिए दी जाने वाली शुरुआती और सबसे जरूरी मदद होती है। उन्होंने बताया कि डी से डेंजर यानि खतरे की जांच, आर से रिस्पांस यानि घायल व्यक्ति की प्रतिक्रिया का आंकलन, एस से सेंड यानि आपातकालीन नंबर 108 पर फोन करके एंबुलेंस की सहायता लेना, ए से एयरवे यानि घायल अथवा बीमार व्यक्ति की श्वांस का रास्ता साफ करना और बी से ब्रीदिंग के अंतर्गत यह जानना कि व्यक्ति सांस ले रहा है कि नहीं। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को सीपीआर देने का डेमो भी दिखाया।

कार्यक्रम अधिकारी अन्नु देशवाल ने बताया कि सायंकालीन सत्र में स्वयंसेविकाओं के बीच कई रोचक खेल गतिविधियां कराई गई। नींबू रेस में अनुजा ने प्रथम रहीं। वहीं 100 मीटर रेस में ताशु अव्वल रही। इस मौके पर डॉक्टर पूजा नांदल व अंजू ने भी स्वयंसेविकाओं को प्रेरणादायी विचारों से अवगत कराया।

अंजलि रही प्रथम

इसी प्रकार देशभक्ति कविता में दीप्ति व साक्षी, डांस स्पर्धा में नैंसी व दीक्षा, देशभक्ति गीत स्पर्धा में निशु व अंजलि ने प्रथम स्थान हासिल किया।

धीरूभाई अंबानी टूर्नामेंट में दरियापुर की टीम रही विजेता

■ खिलाड़ी दीपक ने 5 विकेट लेकर जीता मैन ऑफ द मैच का खिताब

झज्जर। रिलायंस मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप एवं रिलायंस फाउंडेशन द्वारा एमईटी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-5 में आयोजित दस दिवसीय धीरूभाई अंबानी क्रिकेअ टूर्नामेंट में 28 गांवों व विभिन्न कंपनियों की टीमों ने भाग लेकर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला दरियापुर एवं सिलानी गांव की टीमों के बीच खेला गया। फाइनल मैच में टॉस जीतकर दरियापुर की टीम ने पहले फिल्डिंग करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए सिलानी गांव की टीम ने 12 ओवर में 74 रन बनाकर लक्ष्य निर्धारित किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दरियापुर गांव की टीम ने 2 विकेट शेष रहते हुए 75 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में दीपक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट हासिल किए और उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता। निमाणा गांव की टीम तीसरे स्थान पर रही। रिलायंस एमईटी के सीएसआर प्रमुख कर्नल रोमेल राज्याण ने विजेता टीमों के खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। दरियापुर की विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पर रहने वाली सिलानी गांव की टीम को 31 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान हासिल करने वाले निमाणा गांव की टीम को 11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इनके अलावा मैन ऑफ द सीरीज के विजेता अभिलाष को भी प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। मैच के अंपायर की भूमिका में मनीष एवं नकुल जबकि स्कोरर के रूप में राजकुमार पंघाल, संजय गुलाटी एवं अक्षय धनखड़ व कमेंटेटर के रूप में बिजेंद्र द्वारा सेवाएं दी गईं। इस मौके पर दरियापुर सरपंच पवनपाल, सिलानी सरपंच जयवीर के अलावा रिलायंस की ओर से लोकेश कापसे, चंचल, बिरेंद्र सिंह, नीरज सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। विजेता टीम खिलाड़ियों के साथ उपस्थित उपस्थित मुख्यातिथि एवं आयोजक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। विद्यालय स्टाफ सदस्यों के साथ होनहार प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

रोड सेफ्टी क्विज के विजेता खिलाड़ियों का स्कूल में किया भव्य स्वागत

■ प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के लगभग 350 विद्यार्थियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

जिलास्तरीय रोड सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एच डी साल्हावास के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे जिले में अपना परचम लहराया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के लगभग 350 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें लेवल वन कक्षा तीसरी से पांचवी की एच डी साल्हावास की टीम ने जिलेभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि लेवल टू कक्षा छठी से आठवीं एवं लेवल थ्री कक्षा नौंवी से बारहवीं की दोनों टीमों ने द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

विजेता प्रतिभागियों के विद्यालय परिसर में जोरदार स्वागत किया गया। एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि यातायात पुलिस विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिलेभर के शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया। लेवल वन की विजेता टीम में अरनाया, अंशुल व अंकिता शामिल रहे। वहीं लेवल टू में काशवी, चार्वी व दृष्टि तथा लेवल थ्री में छवि, हिमांशी व मोनिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पाने वाली टीम को 31 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 21 हजार रुपये से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों का सफल मार्गदर्शन करने वाले मेंटर आशीष यादव को राज्यस्तर पर स्थान प्राप्त होने पर 11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

बधाई दी

वहीं एच डी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया एवं प्राचार्य सतबीर सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री आज सुनेंगे समस्याएं

झज्जर। जिले में नागरिकों की शिकायतों के शीघ्र एवं स्थायी निपटान के उद्देश्य से गठित जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक सोमवार को लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक दोपहर बाद दो बजे आरंभ होगी, जिसकी अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करेंगे। सीटीएम नमिता कुमारी ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित सूचीबद्ध कुल 17 परिवाद सुनवाई के लिए रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी विभागाध्यक्षों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रत्येक परिवाद पर आवश्यक विचार-विमर्श करते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए

बहादुरगढ़। सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से केएमपी एक्सप्रेसवे पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। केएमपी यातायात प्रबंधक निरीक्षक नरेश कुमार के नेतृत्व में टोल प्लाजा आसौदा पर वाहनों की सुरक्षा जांच की गई। अभियान के दौरान भारी व व्यावसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए, ताकि रात्रि के समय वाहनों की दृश्यता बढ़े और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। जिन वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप नहीं थी, उन्हें मौके पर ही यह सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर वाहन चालकों को ओवरस्पीडिंग से बचने, लेन अनुशासन का पालन करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, सीट बेल्ट व हेलमेट के प्रयोग तथा आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षक नरेश कुमार ने बताया कि ऐसे अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

साफ-सफाई कर स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

झज्जर। शहीद लांस नायक मुकेश कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेरी में चल रहे एनएसएस शिविर के छठे दिन स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए विद्यालय प्रांगण व खेल मैदान की साफ-सफाई की। रसायन विज्ञान की प्रवक्ता वंदना ने स्वंयसेवकों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया। इसके उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा विद्यालय परिसर व निकटवर्ती क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चला कर साफ-सफाई की। इस दौरान एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्र यश ने प्रथम स्थान हासिल किया।

ठगी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। जिला पुलिस लगातार आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ साइबर ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम की टीम ने छह लाख से अधिक की साइबर ठगी के मामले में उत्तर प्रदेश निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी साइबर क्राइम निरीक्षक सोमवीर ने बताया कि बहादुरगढ़ निवासी एक बेकरी दुकानदार ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार 13 अक्टूबर 2025 को उसके पास एक व्हाट्सएप कॉल आई, जिसमें कॉल करने वाले ने स्वयं को बैंक अधिकारी बताया। आरोपी ने मोबाइल पर एक लिंक भेजकर उसे ओके करने को कहा। जैसे ही शिकायतकर्ता ने लिंक को ओके किया, उसका मोबाइल फोन हैक हो गया और इसके बाद उसके बैंक खाते से करीब छह लाख से अधिक की राशि निकाल ली गई।

दादा सिराज वाला मंदिर से आर्य समाज के 18वें वार्षिकोत्सव की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। दादा सिराजवाला मंदिर पर हवन में भाग लेते हुए ग्रामीण एवं आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज द्वारा रविवार को खातीवास गांव से 18वें वार्षिकोत्सव की शुरूआत की गई। दयानंद आर्य ने बताया कि खातीवास गांव के दादा सिराज वाला मंदिर पर प्रातः नौ बजे हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य योगेंद्र ने विधिवत रूप से यज्ञ कराया।

इसके बाद दस बजे भजन, प्रवचन एवं अभिनंदन कार्यक्रम हुआ जिसमें भजनोपदेशक संदीप आर्य ने अपने भजनों के माध्यम से आर्य समाज की महिमा बताई। मंच संचालक जिले सिंह आर्य व ब्रह्मचारी इंद्रजीत द्वारा किया गया। इस दौरान लोगों में वैदिक साहित्य व आर्य समाज संबंधी कलेंडर भी वितरित किए गए। इस मौके पर कवींद्र यादव व दीपक यादव ने भी अपने विचार रखे।

सोमवार को क्षेत्र के खेड़ी खुम्मार में कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें प्रातः नौ बजे हवन, दस बजे भजन एवं प्रवचन तथा शाम पांच बजे से सात बजे तक वेद प्रचार एवं भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। भजन एवं प्रवचन कार्यक्रम में धीरनवास गुरुकुल से स्वामी आदित्य वेश, आत्मशुद्धि आश्रम बहादुरगढ़ से आचार्य विक्रम देव, नजफगढ़ के वेद मंदिर से स्वामी कृष्णानंद, भजनोपदेशक कंवरपाल आर्य, हरी डोगड़ा, संजीत शास्त्री जहां मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे।

नए साल पर हुड़दंग व नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : राजश्री

■ नागरिक शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

आगामी नववर्ष के अवसर पर शहर में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह द्वारा हुड़दंग करने वालों एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। नए साल के जश्न के दौरान अक्सर तेज रफ्तार, नशे में ड्राइविंग, सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव, सड़क पर शोर-शराबा और कानून के उल्लंघन की घटनाएं सामने आती हैं। इस तरह की गतिविधियां न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित करती हैं, बल्कि गंभीर सड़क दुर्घटनाओं और आपराधिक घटनाओं का कारण भी बन सकती हैं। शराब के नशे में वाहन चलाना स्वयं चालक के साथ-साथ अन्य राहगीरों और वाहन चालकों के जीवन के लिए भी बड़ा खतरा है। इन्हीं कारणों से पुलिस प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि नए साल की रात और उसके आसपास विशेष चेकिंग अभियान चलाए जाएंगे। प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों, होटल, क्लब और ढाबों के आसपास पुलिस बल की तैनाती रहेगी। नशे में वाहन चलाने वालों, स्टंट करने वालों, सार्वजनिक शांति भंग करने वालों और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम एवं अन्य संबंधित कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे कानून का पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, शोर-शराबे और हुड़दंग से बचें ।

जिला प्रभारियों ने लिया हरिद्वार में प्रशिक्षण

झज्जर। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, युवा भारत एवं किसान सेवा समिति हरिद्वार द्वारा 25 से 28 दिसंबर तक आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर में जिले से दस जिला प्रभारी एवं तहसील प्रभारी शामिल हुए। जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान योग ऋषि स्वामी रामदेव एवं आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण का आशीर्वाद लिया। शिविर में मुख्य केंद्रीय प्रभारी राकेश मित्तल, स्वामी परमार्थ देव, रामाशीष व साध्वी देवप्रिया द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला सह प्रभारी कृष्ण दत्त जांगड़ा ने बताया कि शिविर में जिले द्वारा इस वर्ष किए गए सेवा कार्यों की रिपार्ट प्रस्तुत की गई तथा आगामी वर्ष में योग के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यकारिणी तैयार की गई। इस दौरान जिला महामंत्री रामनिवास योगार्थी व जिला सोशल मीडिया प्रभारी गौरव सिंघल ने बताया कि पतंजलि योगपीठ एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट द्वारा आगामी वर्ष में अधिक से अधिक योग शिक्षक बनाने पर बल दिया गया। स्वामी रामदेव ने जिला एवं तहसील प्रभारियों से कहा कि हमारा उद्देश्य राष्ट्र सेवा है। देश को स्वस्थ एवं सुंदर बनाने के लिए प्रत्येक घर में योग को पहुंचाना है जिसके लिए योग शिक्षकों की एक फौज तैयार करनी है। इस मौके पर पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी गुरमीत सिंह, तहसील प्रभारी राजेश बंसल, अमित आर्य, ललित, जॉनी, दीपक सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जैन ने सुना मन की बात कार्यक्रम

बहादुरगढ़। भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 129वें संस्करण को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात देशवासियों को सकारात्मक सोच, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन चुका है। रविवार को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की उपलब्धियों, युवाओं की भूमिका, सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सरल व प्रेरणादायक शब्दों में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संवाद आमजन के मन को छूने वाला होता है और समाज में नई ऊर्जा का संचार करता है। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हर वर्ग से सीधा संवाद स्थापित करते हैं, जिससे राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भाव को मजबूती मिलती है।

छोटूराम नगर में लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने छोटूराम नगर में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता के लिए डोर टू डोर अभियान चलाया। टीम ने घर-घर जाकर लोगों से संवाद किया और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस दौरान बताया गया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है। नशे की लत से आर्थिक समस्याएं, पारिवारिक तनाव और अपराध जैसी सामाजिक बुराइयां बढ़ती हैं। अभियान के तहत युवाओं से विशेष रूप से अपील की गई कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों को अपनाएं, ताकि स्वस्थ और सकारात्मक भविष्य का निर्माण किया जा सके।

शिविर में आज सुनीं जाएंगी समस्याएं

झज्जर। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा, जिसकी डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल करेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन संबंधित लघु सचिवालय परिसरों में किया जाएगा।

कड़ाके की सर्दी | अब लोगों को कंबल की बजाय रजाई की की जरूरत

बढ़ती ठंड के साथ बढ़ा रजाई भराई का काम

आर्डर पूरा करने के लिए देर रात तक काम रहे कारीगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। धानक धर्मशाला के साथ रजाई के काम में जुटे कारीगर। फोटो : हरिभूमि

सर्दी बढ़ने के साथ ही शहर में रजाई का बाजार भी गर्मी पकड़ रहा है। दिनों-दिन बढ़ती जा रही ठंड के कारण अब लोगों को कंबल की बजाय रजाई की आवश्यकता पड़ने लगी है। रजाई भरने का कार्य करने वाले प्रवासी कारीगरों ने दूसरे राज्यों से आकर पहले से ही शहर के विभिन्न स्थानों पर डेरा डाला हुआ है। बीकानेर चौक के समीप धानक धर्मशाला के सामने रजाई की पिनाई व भरने करने वाले मोहम्मद कबीर ने बताया कि वे बिहार के दरभंगा जिले से अपने परिवार के सदस्यों के साथ यहां पिनाई व भराई का कार्य कर रहे हैं। शुरूआती दौर में वे जहां दिन भर में पांच से सात रजाई का आर्डर ही ले पा रहे थे वहीं अब यह संख्या पन्द्रह से बीस तक पहुंच चुकी है। इस कारण उन्हें देर रात तक काम करना पड़ रहा है। आर्डर पूरा करने में उसके साथी रज्जाक, अख्तर व सागीर भी रात दस बजे तक काम में लगे रहते हैं। उनके यहां उपलब्ध रूई की वैरायटी में 170 वाली मलाई रूई, 220 रुपये प्रतिकिलो वाली देशी रूई तथा 280 रुपये प्रतिकिलो वाली फाइबर रूई मौजूद हैं।

देशी रूई की तासीर मलाई रूई के मुकाबले अधिक गर्म होने के कारण लोग उसे पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा वे 30 रुपये में नई रूई तथा 40 रुपये प्रतिकिलो की दर से पुरानी रूई की पिनाई कर रहे हैं। इसके अलावा उनके द्वारा रजाइयों में धागे डालने का काम भी किया जा रहा है।

स्टॉल पर मौजूद है रजाई से संबंधित सभी सामान

दुकान संचालकों ने बताया कि पिनाई व भराई के अलावा नई रजाई लेने के लिए भी ग्राहकों को किसी और दुकान पर जाने की जरूरत नहीं है। उनके यहां पर जहां कई प्रकार की रूई, रजाइयों के कवर, तकिए व कंबल आदि उपलब्ध हैं वहीं रजाई व गद्दों में धागे डालने का कार्य भी यहीं पर कर दिया जाता है।

रिश्वत के आरोप में जेई और लाइनमैन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बिजली निगम के जूनियर इंजीनियर (जेई) और लाइनमैन को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों पर युवक को बिजली चोरी के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर 25 हजार रुपये रिश्वत वसूलने का आरोप है। आरोपियों की पहचान जेई रामकला और लाइनमैन राजेश के रूप में हुई है। जेई रामकला को कुरुक्षेत्र से जबकि लाइनमैन राजेश को रोहतक क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। शहर निवासी सुमित ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने उन्होंने अपने ही मकान के एक कमरे से दूसरे कमरे तक बिजली की डोरी डाली हुई थी। निगम के जेई रामकला, लाइनमैन राजेश और अन्य स्टाफ उनके घर पहुंचे। आते ही अधिकारियों ने उन्हें डराना-धमकाना शुरू कर दिया और बिजली चोरी का आरोप लगा दिया। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में 60 से 70 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। मामले को दबाने के लिए आरोपियों ने 50 हजार रुपये की मांग की। बाद में सौदा 25 हजार रुपये में तय हुआ।

खबर संक्षेप

मकान के बाहर से कैंटर चोरी

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में एक मकान के बाहर से ट्रांसपोर्ट कंपनी का कैंटर चोरी हो गया। कंपनी के मैनेजर ने पुलिस को शिकायत दे दी है। मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता हिमांशु का कहना है कि उनकी कंपनी का एक कैंटर मांडोठी का निवासी मनोज चलाता है। गत 26 दिसंबर को मनोज फरीदाबाद से कैंटर लेकर आया। गाड़ी खाली थी। रात को उसने अपने मकान के बाहर खड़ी कर दी। शनिवार की सुबह देखा तो नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स गाड़ी चुरा ले गया।

स्कूटी की टक्कर से दो घायल

बहादुरगढ़। गांव मातन में स्कूटी की टक्कर से दो व्यक्ति घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। शिकायतकर्ता शारीक का कहना है कि वह मूलतः यूपी के सहारनपुर से है। फिलहाल यहां मातन गांव में रहता है। गत 26 दिसंबर को अपने रिश्तेदार के साथ कमरे की ओर लौट रहा था। रास्ते में एक स्कूटी सवार ने हमें टक्कर मार दी। दोनों चोटिल हो गए। मुझे गंभीर चोट के कारण पीजीआई रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने गांजे सहित आरोपी को पकड़ा

बहादुरगढ़। पुलिस की एंटी नार्कोटिक सैल ने गांजे सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। एएनसी इंचार्ज दिनकर यादव के अनुसार, आरोपी को सेक्टर 6 थाना क्षेत्र से काबू किया गया। आरोपी की पहचान रमाशंकर निवासी यूपी के रूप में हुई है। उसके पास 174 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी पर सेक्टर 6 थाने में केस दर्ज हुआ है।

31 दिसंबर तक करवाएं फसल का बीमा

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2025-26 के लिए रबी की फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित तिथि से पहले अपनी फसलों का बीमा अवश्य करवा लें।

अतिदेय ऋणी किसानों को ऋण मुक्त करने का अवसर

झज्जर। हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अतिदेय ऋणी किसानों को ऋण मुक्त करने के उद्देश्य से एकमुश्त ऋण समाधान योजना 2025 लागू की गई है। अतिदेय ऋणी किसान द्वारा पूरा मूलधन जमा करने पर अतिदेय ब्याज में 50 प्रतिशत की माफी तथा सम्पूर्ण जुर्माना ब्याज की पूर्ण माफी का प्रावधान किया गया है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिन अतिदेय ऋणी किसानों की मृत्यु हो चुकी है अथवा जो महिला ऋणी विधवा हो चुकी हैं, उनके मामलों में पूरा मूलधन जमा करने पर अतिदेय ब्याज की शत प्रतिशत माफी तथा पूरा जुर्माना ब्याज माफ किया जाएगा।

नियमों की अवहेलना पर आहत जीव प्रेमियों ने पुलिस को दी शिकायत

नसबंदी के लिए कुत्तों को उठाकर दूर ले जाने पर जीव प्रेमियों में रोष

दयानंद नगर से कुत्तों को उठाने के तरीके और उन्हें शहर से बाहर ले जाने की प्रक्रिया पर जीव प्रेमियों ने गंभीर सवाल उठाते हुए इसे खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाना बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। शिकायत देने के लिए पुलिस चौकी के बाहर एकत्र हुए जीव प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

शहर में बेसहारा कुत्तों की नसबंदी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दयानंद नगर से कुत्तों को उठाने के तरीके और उन्हें शहर से बाहर ले जाने की प्रक्रिया पर जीव प्रेमियों ने गंभीर सवाल उठाते हुए इसे खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाना बताया है। आहत जीव प्रेमियों ने सेक्टर-9 पुलिस चौकी पहुंचकर लिखित में शिकायत दी और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बहादुरगढ़ में ही शेल्टर की व्यवस्था कर नसबंदी संबंधित प्रक्रिया पूरी करने पर जोर दिया है।

दरअसल, नवंबर माह की शुरुआत नगर परिषद की ओर से जींद की नैन एजेंसी को 36 लाख रुपये में तीन हजार कुत्तों की नसबंदी करने का वर्क ऑर्डर जारी किया था। हाल ही में एजेंसी की ओर से इस प्रक्रिया को शुरू किया गया है। इसके तहत शनिवार को दयानंद नगर की गली नंबर-2 से कुत्तों को गाड़ी में उठाकर ले जाया गया। कुत्तों को उठाने की शैली और इस्तेमाल किए गए वाहन पर जीव प्रेमियों ने सवाल उठाए।

घटना से आहत जीव प्रेमी रविवार को सेक्टर-9 पुलिस चौकी पहुंचे और लिखित में शिकायत दी। शिकायत में जीव प्रेमियों का कहना है कि 27 दिसंबर को हमें सूचना मिली कि दयानंद नगर से एक वाहन के जरिये 15-20 कुत्तों को उठाया गया है। इसके बाद अपने स्तर पर पड़ताल की तो पता चला कि कुत्तों को नसबंदी के नाम पर रोहतक ले जाया गया है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से गलत है और एबीसी तथा एडब्ल्यूबीआई के नियमों की उल्लंघना की गई है।

वहीं, एडवोकेट नवीन सिंगल ने भी इस संबंध में एक्स पर सीएमओ हरियाणा, डीसी झज्जर, एसडीएम बहादुरगढ़ को शिकायत दर्ज कराते हुए कहा है कि एबीसी के नियमों के हिसाब से नसबंदी अथवा उपचार 15 किलोमीटर के दायरे के अंदर ही होना चाहिए। लगभग 50 किलोमीटर दूर कुत्तों को ले जाना गलत व पशुक्रूरता ही है।

हो रही जांच

उधर, सेक्टर-9 चौकी प्रभारी योगेश कुमार का कहना है कि इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है। जांच की जा रही है। जांच में जो कुछ सामने आता है, उस आधार पर आगामी उचित कार्रवाई की जाएगी।

कुत्तों को उसके क्षेत्र से बाहर ले जाना अवैध

मनजीत, अनिता, शालू, राहुल, मंजू, कविता, सचिन आदि जीव प्रेमियों का कहना है कि स्थानीय कुत्तों को उसके क्षेत्र से बाहर ले जाना अवैध है। एडब्ल्यूबीआई से मान्यता प्राप्त संस्था ही नसबंदी करवा सकती है। कायदे से उसी शहर में कुत्तों की नसबंदी होनी चाहिए, जहां से उन्हें उठवाया गया है। नसबंदी के निर्धारित ईलाज अवधि के बाद उन्हें उनके क्षेत्र में छोड़ा जाना अनिवार्य है। इस काम में इस्तेमाल किए जाने वाले वाहन/एंबुलेंस के भी मानक निर्धारित हैं, जिनको अनदेखा किया गया है। जिस वाहन में कुत्तों को ले जाया गया, उस पर संबंधित संस्था के बजाय किसी अन्य संस्था का नाम अंकित था। कायदे के मुताबिक, नसबंदी के लिए कुत्तों को पकड़ने वाली टीम प्रशिक्षित होनी चाहिए। वाहन में सॉफ्ट पैडिंग, भोजन-पानी, चिकित्सा संसाधन आदि होने चाहिए। लेकिन दयानंद नगर से कुत्तों को जो गाड़ी उठाकर ले गई, उसमें तय मानकों की कमी नजर आई। बहादुरगढ़ से कुत्तों को रोहतक ले जाने में किसी साजिश की आशंका को भी इंकार नहीं किया जा सकता। इसलिए मामले में जांच कर उपयुक्त कार्रवाई की जाए।

बहादुरगढ़। परिचर्चा में भाग लेते चिकित्सक, पूर्व शिक्षक व सामाजिक कार्यकर्ता।

मौसमी बीमारियों से बचाव और संतुलित जीवनशैली पर दिया जोर

दिल्ली हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम में विशेष स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बदलते मौसम में मौसमी बीमारियों से बचाव और संतुलित जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिल्ली हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम में विशेष स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया।

चिकित्सकों ने अपने व्याख्यानों में संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद और तनाव-नियंत्रण को स्वस्थ जीवन की आधारशिला बताया। साथ ही फास्ट फूड व जंक फूड से दूरी बनाए रखने की सलाह दी। कार्यक्रम संयोजक सत्येंद्र दहिया ने बताया कि यह परिचर्चा सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी मदन चोपड़ा के मार्गदर्शन और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से आयोजित की गई। बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। अस्पताल निदेशक डॉ. श्रवण बंसल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. राजरानी बंसल और हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार ने बदलते मौसम, प्रदूषण, श्वसन रोग, बुखार, खांसी-जुकाम व बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों पर उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने हरी-पत्तेदार सब्जियों, पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम और समयबद्ध दिनचर्या को अनिवार्य बताया। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध और नशामुक्ति पर भी जागरूक किया। ह्यूमन राइट्स कार्यकर्ता संजीव शर्मा, चंद्रभान मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सत्यपाल सिंह तथा सुनहरा कल फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सुनीता छिल्लर ने भी विचार रखे।

संस्कारम स्कूल में 10वें ऑल इंडिया ओलंपियाड में 8902 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

- दसवीं से सर्वाधिक 1394 और नौवीं से 980 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया

संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स में रविवार 10वें ऑल इंडिया ओलंपियाड के सफल आयोजन के साथ प्रतिभाओं के सम्मान का एक भव्य उत्सव संपन्न हुआ। इस भव्य प्रतियोगिता का आयोजन संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास और संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा दोनों शाखाओं में एक साथ किया गया। जहां खातीवास मुख्य शाखा में रिकॉर्ड तोड़ 7239 विद्यार्थियों ने भाग लिया, वहीं पाटौदा स्थित संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल में भी 1663 विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दोनों शाखाओं को मिलाकर कुल 8902 विद्यार्थियों ने इस वार्षिक ओलंपियाड में हिस्सा लेते हुए तार्किक और वैज्ञानिक क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का सबसे कड़ा मुकाबला सीनियर विंग में देखने को मिला, जहां दसवीं कक्षा से सर्वाधिक 1394 और नौवीं कक्षा से 980 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसी उत्साह को बरकरार रखते हुए आठवीं कक्षा के 945, सातवीं के 775, छठी के 840 और पांचवीं कक्षा के 1015 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए।

प्राथमिक विभाग में चौथी कक्षा से 570, तीसरी से 525, दूसरी से 640 और पहली कक्षा से 420 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं, यूकेजी के 365, एलकेजी के 335 और नर्सरी के 285 नन्हे सितारों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को 10 लाख रुपये से अधिक की स्कॉलरशिप प्रदान की।

यह छात्रवृत्ति राशि उन विद्यार्थियों को वितरित की गई जिन्होंने गत 30 नवंबर को आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वहीं मंच पर क्लैट, सीए और सीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता का परचम लहराने वाले होनहार विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि हमारा मुख्य ध्येय ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय मंच प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि दस लाख से अधिक की यह स्कॉलरशिप और ओलंपियाड जैसे आयोजन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे।

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में ऑल इंडिया ओलंपियाड परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

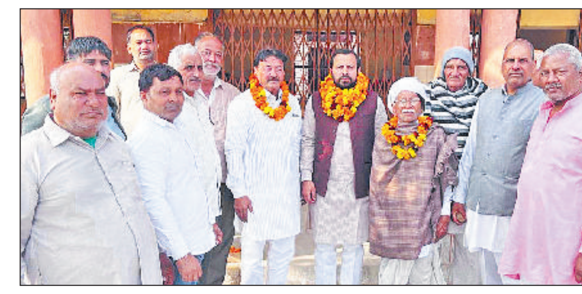
बहादुरगढ़। सरपंच व ग्रामवासियों के साथ जिला पार्षद रवींद्र बराही। फोटो : हरिभूमि

20 लाख की लागत से नए लेंटर की घोषणा

बहादुरगढ़। गांव जाखोदा में जिला पार्षद एवं भाजपा जिला महामंत्री रवींद्र छिल्लर ने ग्राम सरपंच राजू पहलवान, बुजुर्गों व ग्रामीणों के साथ बड़ी चौपाल के जर्जर हो चुके लेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान चौपाल पहुंचने पर ग्रामवासियों ने रविंद्र छिल्लर बराही व सरपंच राजू पहलवान का जोरदार स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम सरपंच, बुजुर्गों व ग्रामीणों ने जिला पार्षद को अवगत कराया कि बड़ी चौपाल का लेंटर अत्यंत क्षतिग्रस्त अवस्था में है, जिससे कभी भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में पुराने लेंटर को हटाकर नया लेंटर डलवाना आवश्यक है। समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला पार्षद रविंद्र बराही ने मौके पर ही जिला परिषद की ग्रांट से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से पुराने लेंटर को तोड़कर नया लेंटर डलवाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि यह कार्य शीघ्र ही शुरू कराया जाएगा। नया लेंटर बनने के बाद बड़ी चौपाल में विवाह, धार्मिक, सामाजिक व सामूहिक कार्यक्रमों के आयोजन में ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

धुंध के कारण तीन जगह हुई सड़क दुर्घटना, कई चोटिल

बहादुरगढ़। रविवार की सुबह इलाके में कोहरे का कहर देखने को मिला। कोहरे के कारण केएमपी एक्सप्रेस वे तथा नेशनल हाइवे 9 पर वाहन भिड़ गए। हादसों में गंभीर रूप से घायल एक ट्रक चालक को पीजीआई रेफर किया गया है तो कुछ अन्य को हल्की चोट आई हैं। आसौदा थाने की पुलिस टीमें मामलों की जांच में जुटी हैं। भिवानी डिपो से एक रोडवेज बस दिल्ली के लिए रवाना हुई। बस में काफी सवारियां थीं। रविवार की सुबह करीब छह बजे बस यहां रोहद टोल के निकट पहुंची तो धुंध के कारण एकाएक डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराते ही एकाएक बस रुकी तो सीटों से टकराने के कारण चंद यात्रियों को हलकी चोट आई। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। जांच अधिकारी रजनीश का कहना है कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है। वहीं नेशनल हाइवे पर ही मांडोठी मोड़ के निकट एक कैंटर व बोलेरो पिकअप गाड़ी की टक्कर हो गई। दूसरी तरफ केएमपी एक्सप्रेस वे पर आसौदा के निकट एक ट्रक ने अचानक ब्रेक लगाए तो पीछे चल रहा ट्राला उससे टकरा गया। ट्राले में सवार ड्राइवर को गंभीर चोट आई है। उसे पीजीआई ले जाया गया है। इन दोनों मामलों में अभी किसी के बयान नहीं हो पाए हैं। बयान के आधार पर पुलिस आगामी कार्रवाई करेगी।

प्रणामी ने भगत सिंह को किया नमन

बहादुरगढ़। मनोनीत पार्षद एवं भाजपा जिला प्रवक्ता भीम सिंह प्रणामी ने रविवार को मांडोठी में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर आयोजकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। शहीद ए आजम भगत सिंह को समर्पित इस प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में प्रणामी ने अपने विचार रखे। उन्होंने भगत सिंह के आदर्शों व बलिदान को नमन करते हुए 100 बोरी सीमेंट दान की। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह के जीवन से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। राजेंद्र सांगवान, अतर सिंह, नवीन दलाल सहित अन्य लोग इस अवसर पर मौजूद रहे।

आदर्श की हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। नेपाल मूल के आदर्श को पीट पीटकर मौत के घाट उतारने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं अन्य आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस की कई टीमें विभिन्न ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जल्द ही तमाम आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात सुलझाने की बात कही जा रही है। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस ने रविवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा दिया। शनिवार की देर शाम यह वारदात हुई थी। महावीर पार्क के निकट आदर्श व उसके दोस्त अफजल पर कई लड़कों ने लाठी, डंडों से हमला कर दिया था। हमले में आदर्श की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अफजल को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। रविवार की दोपहर को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। मृतक के परिजनों ने पुलिस से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग उठाई। वहीं सेक्टर-6 थाना, सीआईए सहित कई टीमें मामले में भागदौड़ कर रही हैं। सेक्टर-6 थाना प्रभारी जयभगवान सिंह का कहना है कि इस संबंध में छह आरोपियों पर नामजद एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। मामले में अन्य कोई नाम सामने आता है तो उसे भी जांच में शामिल किया जाएगा। एक आरोपी राहुल निवासी बावल हाल मांडोठी को गिरफ्तार किया गया है।

लूटपाट के आरोपी दो दिन के रिमांड पर

बहादुरगढ़। केएमपी एक्सप्रेस-वे पर 39 लाख रुपये की लूट को अंजाम देने वाले चारों आरोपी पुलिस ने अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिए हैं। पूछताछ में पुलिस आरोपियों से उनके अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटाएगी। कई टीमें मामले में भागदौड़ कर रही हैं। जल्द ही लूटे गए रुपयों की रिकवरी व फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तार करने की बात पुलिस की ओर से कही जा रही है। मामले में सामने आया है कि पकड़े गए चारों आरोपी पढ़े लिखे हैं। साहिल पॉलीटेक्निक स्टूडेंट रहा है तो सन्नी बीकॉम पास है। अमित ने बीफार्मा की हुई है। वहीं वंश भी ग्रेजुएट है। इनमें से केवल सन्नी के खिलाफ दिल्ली में आर्म्स एक्ट और लड़ाई झगड़े का केस दर्ज है। जबकि अन्य पर कोई मुकदमा नहीं है। अभी पुलिस आरोपियों से लूटी गई राशि बरामद नहीं कर सकी है। बता दें कि रेवाड़ी जिले का सूबे सिंह करनाल से पेमेंट लेकर वापस लौट रहा था। केएमपी पर कटरा एक्सप्रेस वे पर उसके भतीजे सुनील ने लघुशंका के बहाने गाड़ रुकवाई।

बहादुरगढ़। वजीर राठी की ओर से भेंट किए गए पौधों से भरी ट्रॉली।

क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट को पौधे भेंट किए

बहादुरगढ़। रविवार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए पर्यावरणविद् वजीर सिंह राठी ने क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट को एक ट्रॉली पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए। इनमें आम, जामुन, पिलखन, अमरूद, गूलर, शहतूत, पीपल, अरवी सहित विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार व फूलों वाले पौधे शामिल थे। क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट द्वारा इन पौधों को शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ शहर को हरा-भरा बनाए रखने में मदद मिलेगी। बता दें कि वजीर सिंह राठी कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय हैं। पौधरोपण के अलावा हर साल बड़ी संख्या में पौधे वितरित भी करते हैं। कई बार ट्रस्ट को निःशुल्क पौधे उपलब्ध करवा चुके हैं, जिनका उपयोग संस्था द्वारा लगातार पौधारोपण अभियानों में किया जाता रहा है। संस्था के सदस्य प्रदीप रेढू, रजत छिकारा सहित अन्य कार्यकर्ता भी पौधों को ले जाने और व्यवस्था में सहयोग करते नजर आए। संस्था की ओर से वजीर सिंह राठी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया गया।

खेल संसाधनों, सफाई व पौधों की देखभाल के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं

कब्जों, गंदगी व अव्यवस्थाओं का शिकार डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम

स्टेडियम में आने-जाने का रास्ता खस्ताहाल, मुख्य गेट के पास लगा रहता है बेसहारा पशुओं का जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बादली रोड स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्टेडियम में मूलभूत सुविधाएं व संस्थान तो न के बराबर हैं लेकिन समस्याओं की भरमार है। खेल संसाधनों के बजाय यहां कब्जों, गंदगी व अव्यवस्थाओं का अधिक जोर है।

शहर के इस प्रमुख स्टेडियम में खेल सुविधाएं जर्जर हैं। स्टेडियम के द्वार पर आते ही समस्याएं नजर आने लगी हैं। स्टेडियम में आने-जाने का रास्ता खस्ताहाल है। मुख्य गेट के पास बेसहारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है। स्टेडियम में नियमित अभ्यास करने और परिसर व पौधों की देखभाल करने वाले बलजीत दलाल का कहना है कि सरकार नए स्टेडियम बनाने की घोषणाएं तो करती है, लेकिन मौजूदा स्टेडियमों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। आंबेडकर स्टेडियम की जमीन पर जगह-जगह अवैध कब्जे हैं। अंदर और बाहर कूड़े-कचरे के ढेर लगे हैं। खेल संसाधनों, सफाई व पौधों की देखभाल के लिए खेल विभाग की ओर से खिलाड़ियों के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है।

बहादुरगढ़। गंदगी से सड़ रहे स्टेडियम के शौचालय व स्टेडियम के साथ लगती जमीन पर पाथे गए उपले। फोटो : हरिभूमि

स्टेडियम के बाथरूम लंबे समय से गंदगी से सड़ रहे हैं। उनके दरवाजों में जंग लग चुका है और पूरी तरह से जर्जर हैं। कई स्थानों पर गोबर के ढेर लगे हैं और महिलाएं यहां गोबर के उपले बनाती हैं। एक समिति द्वारा स्टेडियम परिसर में गोशाला और डॉग शेल्टर बना दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से भी हालात चिंताजनक हैं। बार बार चोरियां हो रही हैं। मेनहोल के कवर गायब होने से वे खुले गड्ढों में तब्दील हो गए हैं, जिनमें गिरकर कई बच्चे घायल हो चुके हैं। स्टेडियम में खेलने आने वाले राहुल, शुभम और जितेंद्र का कहना है कि ट्रैक उबड़-खाबड़ हो चुका है। विभागीय स्तर पर ट्रैक की कोई सफाई या मरम्मत नहीं की जाती।

बाथरूम के शीशे, दरवाजे और सीटें टूटी हुई हैं। स्टेडियम की जालियां और दीवारें भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हैं। कई लोगों ने दीवार तोड़कर स्टेडियम की जमीन पर कब्जा कर लिया है। अवैध रूप से मंदिर और केंद्र बनाए जाने के साथ-साथ आसपास बने मकानों ने भी अंदर की ओर दीवार तोड़कर दरवाजे खोल लिए हैं। ऐसे हालात में यह खेल विभाग का स्टेडियम कम और उपेक्षित भूमि अधिक प्रतीत होता है।

इसी डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम में गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और योग दिवस जैसे बड़े सरकारी कार्यक्रम आयोजित होते हैं। कार्यक्रमों से पहले केवल औपचारिक सफाई करवा दी जाती है और उसके बाद फिर से हालात जस के तस हो जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि नियमित रूप से स्टेडियम की स्थिति देखने नहीं आता।

जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

लोगों ने सरकार से मांग की है कि भले ही नए स्टेडियम न बनाए जाएं, लेकिन मौजूदा स्टेडियमों में जरूरी सुविधाएं जरूर उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही स्टेडियम की नियमित देखभाल के लिए चौकीदार, सफाईकर्मी, माली और खेल प्रशिक्षकों की स्थायी नियुक्ति की जाए, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर माहौल मिल सके।